



## KMGBF 2022 लक्ष्य प्राप्त करने हेतु OECMs

### प्रलिस के लयः

[अन्य प्रभावी कषेतर-आधारतऱ संरक्षण उपाय \(OECM\)](#), [अंतरराषटरीय प्रकृति संरक्षण संघ](#), [संरक्षण कषेतरोँ पर वशिव आयोग](#), [वशिव वनयजीव कोष](#), [कुनमगऱ-मॉनटरयऱल वैशवकऱ जैववऱधऱता फरेमवरक \(KMGBF\)](#), [संयुक्त राषट्र पर्यावरण कारयकरम](#), [जैववऱधऱता](#), [संरक्षण कषेतर](#), [सवाना](#), [सतत वकऱस लकष्य \(SDG\)](#), [आकरामक वदऱशी प्रजातयऱँ](#) ।

### मेन्स के लयः

कुनमगऱ-मॉनटरयऱल वैशवकऱ जैववऱधऱता फरेमवरक (KMGBF) 2022 को प्राप्त करने में अन्य प्रभावी कषेतर-आधारतऱ संरक्षण उपायोँ (OECM) की भूमकऱ ।

सरोतः [IUCN](#)

### चरचा में क्योँ?

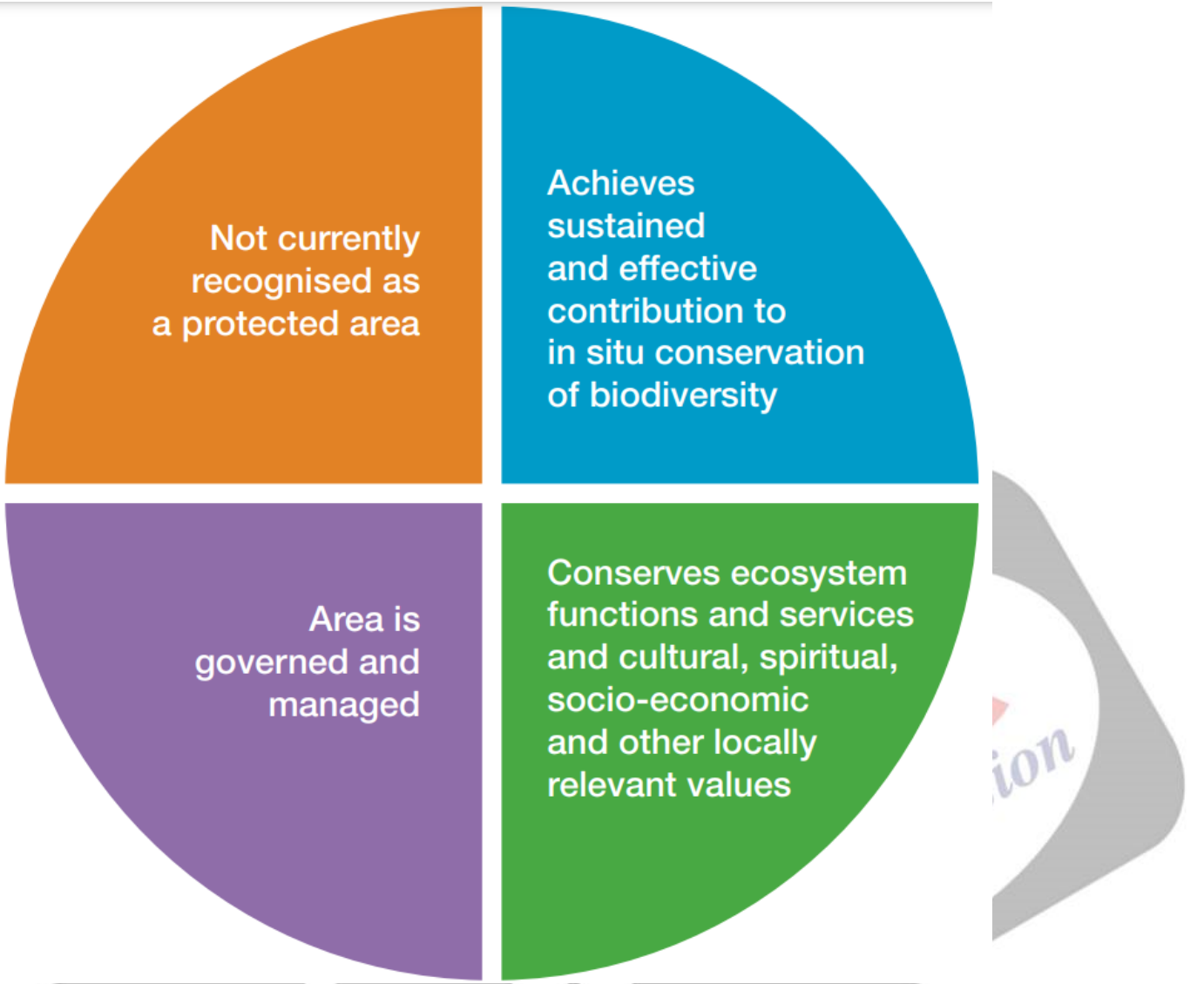
[IUCN](#), वशिव संरक्षण कषेतर आयोग (WCPA) और [WWF](#) दवारा "अन्य प्रभावी कषेतर-आधारतऱ संरक्षण उपायोँ (OECM) पर मारगदरशन" शीरषक से एक नई ररपोरट जारऱ की गई है ।

- इसमें शामिल दशऱनरऱदेश के तहत [कुनमगऱ-मॉनटरयऱल वैशवकऱ जैववऱधऱता फरेमवरक \(KMGBF\) 2022](#) के GBF लकष्य संख्यऱ 3 को प्राप्त करने के लयऱ भूमऱ, जल एवं समुदरी कषेतरोँ के संरक्षण पर ध्यान केंदरतऱ करने पर प्रकाश डऱला गयऱ है तऱकऱवरष 2030 तक इन कषेतरोँ के 30% कऱ संरक्षण कयऱ जऱ सके ।

### OECM क्यऱ हैं?

- **परचऱयः** OECM को ऐसे भौगोलकऱ कषेतर के रूप में परभाषतऱ कयऱ जऱतऱ है, जो संरक्षण कषेतर नहीं है लेकनऱ जसऱ [जैववऱधऱता के संरक्षण](#) के करम में **सकारऱतमक**, **नरऱंतर**, **दीरघकऱलकऱ परणऱम** प्राप्त करने के लयऱ शऱसतऱ और प्रबंधतऱ कयऱ जऱतऱ है ।
  - ये कषेतर सांसकृतकऱ, आध्यातमकऱ, सामऱजकऱ-आरथकऱ यऱ अन्य स्थऱनीय मूल्योँ सहतऱ **पऱरसऱथतऱकऱ तंत्र के कारयोँ और सेवऱओँ** के संरक्षण पर केंदरतऱ हैं ।
  - उदऱहरण **कृषऱ भूमऱ, लकडी के लयऱ वन** आदऱ ।
- OECM की पहचऱन हेतु मऱनदंडः

//



■ मुख्य विशेषताएँ :

- संरक्षित क्षेत्र में शामिल न होना: OECM औपचारिक संरक्षित क्षेत्र (PAs) नहीं हैं लेकिन जैवविविधता संरक्षण में इनकी भूमिका रहती है।
- प्रबंधन में लचीलापन: OECM का प्रबंधन सरकारों, नज्दी समूहों, स्थानीय लोगों या स्थानीय समुदायों द्वारा किया जा सकता है।
- बहुउद्देश्यीय उद्देश्य : OECM जल प्रबंधन या कृषि जैसे लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, तथा जैवविविधता संरक्षण को द्वितीयक लाभ के रूप में शामिल कर सकते हैं।
- सतत संरक्षण: OECM को प्रभावी शासन और प्रबंधन के माध्यम से स्व-स्थाने जैवविविधता संरक्षण सुनिश्चित करना चाहिये।
- स्वैच्छिक पहचान: किसी साइट को OECM के रूप में पहचानना स्वैच्छिक है और इसके लिये शासी प्राधिकरण की सहमति आवश्यक है।

■ महत्त्व: OECM जैवविविधता के लिये महत्त्वपूर्ण स्थलों को मान्यता देते हैं जो औपचारिक रूप से संरक्षित नहीं हैं।

- OECM वैश्विक संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क का विस्तार करते हैं, तथा सख्त औपचारिकताओं के बिना जैवविविधता कवरेज को बढ़ावा देते हैं।

■ केस स्टडीज़:

- लॉस एमगोस कंजर्वेशन एरिया: यह पेरू के लॉस एमगोस जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है और विश्व स्तर पर संकटग्रस्त 12 प्रजातियों, 12 प्राइमेट प्रजातियों और 550 से अधिक पक्षी प्रजातियों का आश्रय स्थल है।
- वटिस रूरल फैसलिटी: यह दक्षिण अफ्रीका में स्थित है और इसका प्रबंधन मुख्यतः सवाना और नदी आवासों को बरकरार रखते हुए किया जाता है।
- नार्थ टडिल प्रोटेक्टेड वाटर एरिया: यह स्थानीय वनस्पति को बनाए रखने और हानिकारक भूमि उपयोगों पर रोक लगाकर जैवविविधता संरक्षण के लिये नोवा स्कोटिया, कनाडा में स्थित है।

■ भारत में OECM:

# Map of OECMs in India



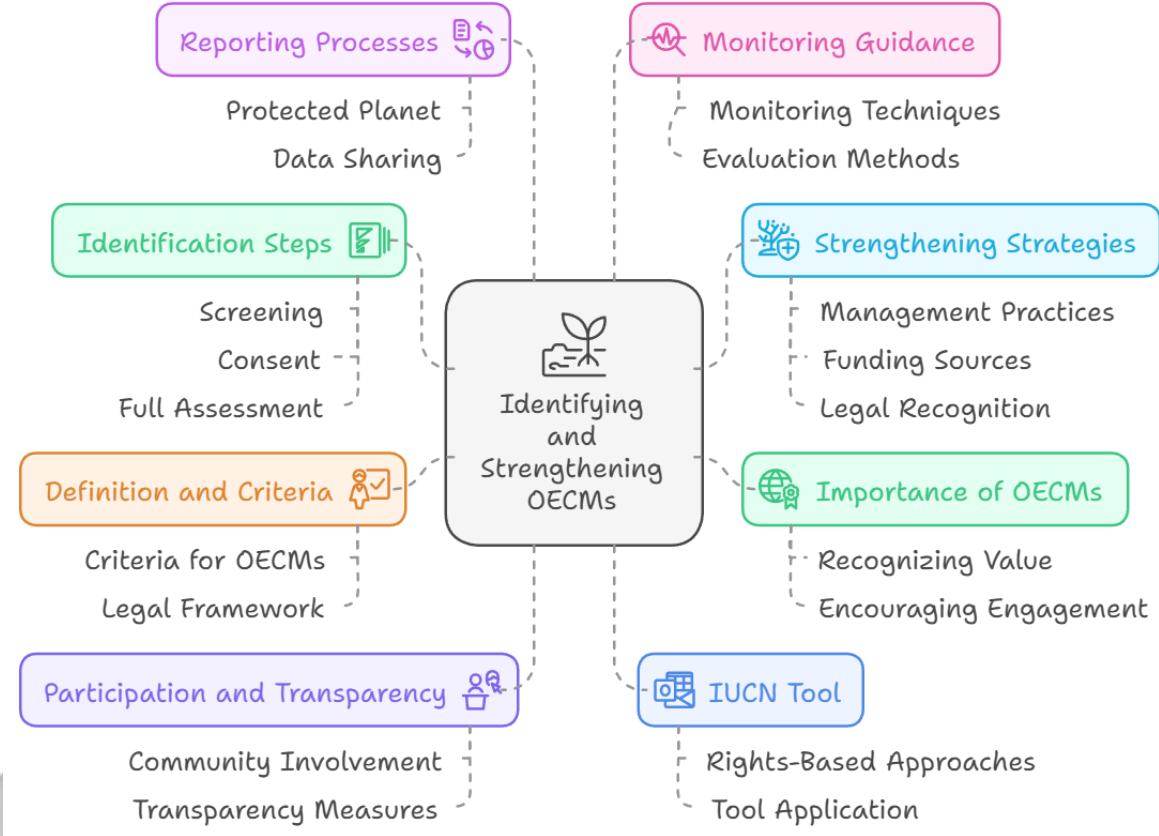
## ▪ OECM और PA के बीच अंतर:

पहलू	संरक्षित क्षेत्र (PA)	अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपाय (OECM)
परभाषा	प्रकृति के दीर्घकालिक संरक्षण हेतु समर्पित क्षेत्र।	साइट जैवविधिता का संरक्षण करती है, लेकिन <b>जरूरी नहीं किये प्रथमिक लक्ष्य हो।</b>
प्रथमिक उद्देश्य	<b>जैवविधिता</b> , पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं और सांस्कृतिक मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करना।	जैवविधिता एक <b>द्वितीयक</b> या आकस्मिक परिणाम के रूप में।
वधिकि मान्यता	औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त और वधिकि रूप से संरक्षित।	स्वैच्छक, औपचारिक संरक्षण का अभाव हो सकता है।
संरक्षण नेटवर्क में भूमिका	<b>संरक्षण नेटवर्क का मूल</b> , दीर्घकालिक सुरक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण।	<b>PA का पूरक</b> , पारस्थितिकी संपर्क को बढ़ाता है।

संरक्षण परणाम	जैवविविधता संरक्षण के लिये सख्त नयिम ।	जैवविविधता का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन संरक्षण पर ध्यान केंद्रति नहीं करते ।
पूरक भूमकिा	संरक्षण लक्ष्यों को पूरापत करने के लिये केंद्रीय (जैसे, वर्ष 2030 तक 30%) ।	पारस्थितिकि प्रतनिधितिव और संपर्क को बढ़ाता है ।

## OECM के दशिा-नरिदेश वाले आठ खंड कौन-से हैं?

### Framework for Identifying and Strengthening OECMs



## KMGBF 2022 क्या है?

- परचिय:** दसिंबर 2022 में **CoP 15 (मॉन्ट्रियल, कनाडा)** में अपनाए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष **2030 तक वैश्वकि जैवविविधता हानि** रोकथाम करना और इसकी पुनः पूरापति करना है ।
  - यह **सतत् वकिास लक्ष्यों (SDG)** के अनुरूप है और **जैवविविधता हेतु रणनीतिक योजना 2011-2020** से पूरापत उपलब्धतियों और सीख पर आधारति है ।
- उद्देश्य:** इसमें वर्ष 2030 तक तत्काल कार्रवाई के लिये **23 कार्य-उन्मुख** वैश्वकि लक्ष्य शामिल हैं, जनिका लक्ष्य **कम-से-कम 30%** कषीण स्थलीय, अंतरदेशीय जल और समुद्री पारस्थितिकि तंत्र का पुनरुत्थान करना है ।
  - इस लक्ष्य का तात्पर्य **वैश्वकि प्रयासों से है, न कि प्रत्येक देश के लिये अपनी भूमि और जल का 30% आवंटति करने की आवश्यकता से ।**
- भविष्य का दृष्टिकोण:** इस रूपरेखा में जैवविविधता संरक्षण और सतत् उपयोग पर वर्तमान कार्यों और नीतियों का मार्गदर्शन करते हुए वर्ष **2050 तक प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापति करने के लिये सामूहकि प्रतबिद्धता** की परकिलपना की गई है ।

# जैवविविधता अभिसमय के पक्षकारों का 15वाँ सम्मेलन (CBD COP 15)



- 🌍 जैवविविधता पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (CBD) 1993 - जैवविविधता के संरक्षण के लिये एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि
- 🌍 CBD के पक्षकारों का सम्मेलन अभिसमय का शासी निकाय है

## पक्षकारों का सम्मेलन-COP

### COP 1 (1994)

- नसाऊ, बहामास
- 29 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में प्रस्तावित किया गया

### EXCOP 1

- UN CBD COP की पहली विशेष बैठक
- कार्टाजेना, कोलंबिया (फरवरी 1999) और मॉन्ट्रियल, कनाडा (जनवरी 2000)
- जैवसुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल को अपनाया गया

### COP 8 (2006)

- कुर्तीबा, ब्राजील
- ग्लोबल बायोडाइवर्सिटी आउटलुक (GBO) रिपोर्ट 2 (वर्ष 2001 में GBO 1)

### COP 5 (2000)

- नैरोबी, केन्या
- UNGA ने 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में अपनाया

### COP 10 (2010)

- नागोया, जापान
- नागोया प्रोटोकॉल (अनुवांशिक संसाधनों तक पहुँच और लाभों का समुचित एवं समान साझाकरण) को अपनाया गया
- जैवविविधता के लिये रणनीतिक योजना 2011-20 और आइची जैवविविधता लक्ष्य
- ग्लोबल बायोडाइवर्सिटी आउटलुक (GBO) रिपोर्ट 3

### COP 6 (2002)

- हेग, नीदरलैंड्स
- ग्लोबल टैक्सोनॉमी इनिशिएटिव, ग्लोबल स्ट्रेटेजी फॉर प्लांट कंजर्वेशन को अपनाया गया

### COP 11 (2012)

- हैदराबाद, भारत

### COP 14

- शर्म अल शेख, मिस्र

## COP 15

### चरण-I

- कुनमिंग, चीन में आयोजित किया गया (अक्तूबर 2021)
- थीम- पारिस्थितिक सभ्यता: पृथ्वी पर सभी जीवन के लिये एक साझा भविष्य का निर्माण (Ecological Civilization% Building a Shared Future for All Life on Earth)
- कुनमिंग बायोडाइवर्सिटी फंड

### चरण-II

- मॉन्ट्रियल, कनाडा में आयोजित किया गया
- 2020 के बाद वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा (Post 2020 Global Biodiversity Framework)- 4 लक्ष्य तथा 23 उद्देश्य, जिन्हें 2030 तक हासिल करना है
- 30 इल 30 लक्ष्य- 2030 तक स्थलीय, आंतरिक और तटीय और समुद्री क्षेत्रों का कम-से-कम 30 प्रतिशत प्रभावी ढंग से संरक्षित और प्रबंधित करना
- किसी भी देश ने अपनी सीमाओं के भीतर सभी 20 आइची लक्ष्यों ( जो 2020 में समाप्त हुए ) को पूरा नहीं किया

नोट: CBD COP-16 का आयोजन वर्ष 2024 में कोलंबिया के कैली में "पीस वदि नेचर" थीम के साथ किया गया था।

- भारत ने COP-16 में KMGBF के साथ संरक्षित CBD के लिये अद्यतन [राष्ट्रीय जैवविविधता रणनीति और कार्य योजना \(NBSAP\)](#) का शुभारंभ किया।
- कैली फंड की स्थापना आनुवंशिक संसाधनों पर [डिजिटल अनुक्रम सूचना \(DSI\)](#) के उपयोग से होने वाले [लाभों का नषिपक्ष और न्यायसंगत बँटवारा](#) सुनिश्चित करने के लिये की गई थी।

## KMGBF के अंतर्गत भारत का जैवविविधता लक्ष्य क्या है?

- **संरक्षण क्षेत्र:** जैवविविधता को बढ़ाने के लिये 30% क्षेत्र को संरक्षित किये जाने का लक्ष्य।
- **आक्रामक प्रजातियाँ:** [आक्रामक विदेशी प्रजातियों](#) में 50% की कमी लाने का लक्ष्य।
- **अधिकार और भागीदारी:** संरक्षण में मूल समुदाय के लोगों, स्थानीय समुदायों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- **सतत् उपभोग:** सतत् उपभोग को बढ़ावा देना और **खाद्यान्न की होने वाली कुल बर्बादी को 50% तक कम करना**।
- **लाभ साझाकरण:** आनुवंशिक संसाधनों और [पारंपरिक ज्ञान](#) से प्राप्त लाभ के उचित बँटवारे को प्रोत्साहित करना।
- **प्रदूषण स्तर में कमी लाना:** पोषक तत्वों की हानि और कीटनाशक जोखिम को कम करते हुए प्रदूषण कम करना।
- **जैवविविधता नयोजन:** उच्च जैवविविधता वाले क्षेत्रों की हानि की रोकथाम करने हेतु क्षेत्रों का प्रबंधन करना।

## IUCN:

- वर्ष 1948 में स्थापित IUCN विश्व का सबसे बड़ा और सर्वाधिक विविधता वाला पर्यावरण नेटवर्क है।
- IUCN एक सदस्यता संघ है जिसमें 1,400 से अधिक संगठन शामिल हैं, जिनमें **सरकारी और नागरिक समाज** समूह दोनों शामिल हैं।
- IUCN **संरक्षण डेटा, आकलन और विश्लेषण का अग्रणी प्रदाता है**, जो वैश्विक पर्यावरणीय प्रयासों को समर्थन देने के लिये उपकरण और ज्ञान प्रदान करता है।
- यह IUCN **रेड डाटा बुक** (जिसमें अब **संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट** के रूप में जाना जाता है) तैयार करता है, जिसमें प्रजातियों को उनके विलुप्त होने के जोखिम के आधार पर श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, जैसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त, संकटग्रस्त आदि।

## IUCN विश्व संरक्षित क्षेत्र आयोग (WPCA)

- यह संरक्षित एवं परिरक्षित क्षेत्रों पर विशेषज्ञता का विश्व का अग्रणी नेटवर्क है, जिसके 140 देशों में 2,500 से अधिक सदस्य हैं।
- यह संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना, प्रबंधन और सुदृढीकरण पर नीति निर्माताओं को रणनीतिक सलाह प्रदान करता है।

## WWF:

- वर्ष 1961 में स्थापित WWF एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जो पर्यावरण संरक्षण और कमज़ोर प्रजातियों एवं पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा पर केंद्रित है।
- इसका लक्ष्य **पर्यावरणीय क्षरण** को रोकना तथा ऐसे भविष्य का निर्माण करना है, जिसमें लोग प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर रह सकें।

## नषिकर्ष:

IUCN और WWF द्वारा **OECD दशान्तरदेशों** का जारी होना **कुनमि-मॉन्टरियल वैश्विक जैवविविधता ढाँचे** का समर्थन करता है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 30% भूमि, जल और समुद्री क्षेत्रों का संरक्षण करना है। भारत के जैवविविधता लक्ष्य संरक्षण को बढ़ाने, आक्रामक प्रजातियों को कम करने और सतत् उपभोग को बढ़ावा देने के वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप है।

दृष्टिमुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपाय (OECD) क्या हैं? वे संरक्षित क्षेत्रों से किस प्रकार भिन्न हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. "मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" यह पहल किसके द्वारा शुरू की गई थी? (2018)

- (a) जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल
- (b) UNEP सचिवालय
- (c) UNFCCC सचिवालय
- (d) विश्व मौसम विज्ञान संगठन

उत्तर: (c)

व्याख्या:

??????

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (UNFCCC) के सी.ओ.पी. के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजिये। इस सम्मेलन में भारत द्वारा की गई वचनबद्धताएँ क्या हैं? (2021)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/oecms-for-achieving-kmgbf-2022-targets>

